20-02-2024

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स

सुर्खियों में क्यों?

- 19 फरवरी, 2024 को केन्द्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर ने गुवाहाटी में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के चौथा संस्करण का उद्घाटन किया।

संबंधित प्रमुख बिंदु

- ध्यान रहे, खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का पहला संस्करण वर्ष 2020 में ओडिशा में, दूसरा संस्करण वर्ष 2022 में बंगलूरू, कर्नाटक में तथा तीसरा संस्करण वर्ष 2023 में लखनऊ, उत्तर प्रदेश में आयोजित किया गया था|
- पूर्वोत्तर राज्यों को अक्सर अष्टलक्ष्मी कहने वाले प्रधानमंत्री ने कहा, "इन खेलों में तितली को शुभंकर बनाना इस बात का भी प्रतीक है कि पूर्वोत्तर को कैसे नया अनुभव मिल रहा है।"
- मोदीजी अपने संबोधन में वर्तमान खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के आलावा लद्दाख में खेलो इंडिया विंटर गेम्स, तमिलनाडु में खेलो इंडिया यूथ गेम्स, दीव में बीच गेम्स का भी उल्लेख किया|
- खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का यह चौथा संस्करण है जिसमें देश भर के 4544 एथलीट भाग लेंगे | इस संस्करण में एथलेटिक्स, रग्बी, तैराकी, बैडमिंटन, हॉकी और फुटबॉल सहित 20 खेल विधाओं को शामिल किया है | इसके अलावा

- उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने एक वीडियो संदेश के माध्यम से पूर्वोत्तर के सात राज्यों में आयोजित खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स को संबोधित करते हुए इस गेम्स के शुभंकर यानी तितली के आकार में अष्टलक्ष्मी का उल्लेख किया।

फिट इंडिया को बढ़ावा देने के मिशन के हिस्से के रूप में, योग और मल्लखंब जैसे पारंपरिक खेलों को भी इवेंट लाइन-अप में शामिल किया गया है।

खेलो इंडिया कार्यक्रम के बारे में

- खेलो इंडिया अर्थात् 'लेट्स प्ले इंडिया' को वर्ष 2017 में भारत सरकार द्वारा ज़मीनी स्तर पर

GS Foundation Batch UPSC & BPSC, Starting from 23rd February (English & Hindi Medium)

विद्यार्थियों के साथ जुड़कर भारत की खेल संस्कृति को पुनर्जीवित करने के लिये प्रस्तावित किया गया था।

- इसे युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जाता है। इसका मुख्यालय जवाहरलाल नेहरु स्टेडियम, नई दिल्ली में स्थित है|
- इसके कार्यक्रम तहत खेलो इंडिया यूथ गेम्स (KIYG), खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (KIUG) और खेलो इंडिया विंटर गेम्स को वार्षिक राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं के रूप में स्थापित किया गया, जहाँ क्रमशः राज्यों और विश्वविद्यालयों का प्रतिनिधित्व करने वाले युवाओं ने पदक के लिये प्रतिस्पर्द्धा की और अपने कौशल का प्रदर्शन किया।
- इस पहल का उद्देश्य पारंपरिक खेल विधाओं को पुनर्जीवित करना है तथा विभिन्न खेलों के लिये देश भर में बेहतर खेल संरचना एवं अकादमियों के निर्माण पर भी ध्यान केंद्रित करना है।
- खेलो इंडिया पहल के तहत राष्ट्रीय शैक्षिक नीति 2020 के प्रस्ताव के अनुरूप पाठ्यक्रम के अंतर्गत खेल को एक विषय के रूप में शामिल किया गया है | इसी के तर्ज पर वर्ष 2018 में मणिपुर के इम्फाल में भारत का पहला राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय स्थापित किया गया है|
- खेलो इंडिया पूरे भारत में अत्याधुनिक खेल सुविधाओं की स्थापना का भी समर्थन करता है, जिसे खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (KISCE) कहा जाता है। इन केंद्रों का उद्देश्य क्षमतावान खिलाड़ियों के लिये आधारभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराना और प्रत्येक खिलाड़ी में खेल संबंधी अनुशासन को बनाए रखने हेतु आवश्यक प्रयास करना है।

श्री कल्कि धाम मंदिर

सुर्ख़ियों में क्यों?

- 19 फरवरी, 2024 को श्री प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज उत्तर प्रदेश के संभल जिले में श्री कल्कि धाम मंदिर का शिलान्यास किया।

- इस मंदिर का निर्माण श्री कल्कि धाम निर्माण ट्रस्ट द्वारा किया जा रहा है जिसके अध्यक्ष आचार्य प्रमोद कृष्णम हैं।
- इस मंदिर में 10 गर्भगृह होंगे, जहां भगवान के सभी 10 अवतार विराजमान होंगे। ये मंदिर विष्णु जी के 10वें अवतार भगवान कल्कि को समर्पित होगा|
- कल्कि धाम में भी अयोध्या मंदिर की तरह गुलाबी पत्थरों का इस्तेमाल होगा | खास बात ये है कि इस मंदिर में भी स्टील और लोहे का उपयोग नहीं किया जाएगा | मंदिर 11 फीट ऊंचे चबूतरे पर बनायीं जाएगी तथा शिखर की ऊंचाई 108 फीट होगी|

छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती

सुर्ख़ियों में क्यों?

- प्रत्येक वर्ष 19 फरवरी को छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती उनके साहस, युद्ध रणनीति और प्रशासनिक कौशल को याद करने के लिये मनाई जाती है।

संबंधित प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि छत्रपति शिवाजी महाराज का

जन्म 19 फरवरी, 1630 को वर्तमान महाराष्ट्र राज्य में पुणे ज़िले के शिवनेरी किले में हुआ था।

- उनका जन्म एक मराठा सेनापति शाहजी भोंसले के घर हुआ था, जिनके अधिकार में बीजापुर सल्तनत के तहत पुणे और सुपे की जागीरें थीं तथा उनकी माता जीजाबाई एक धर्मपरायण महिला थीं, जिनके धार्मिक गुणों का उन पर गहरा प्रभाव था।
- उन्होंने वर्ष 1645 में पहली बार अपने सैन्य कौशल का प्रदर्शन करते हुए तोरण किले (Torna Fort) तथा बाद में कोंडाना किले (Kondana Fort) पर भी अधिकार कर लिया था।
- ये दोनों किले बीजापुर के आदिल शाह के अधीन थे। उन्होंने बीजापुर की आदिलशाही सल्तनत के पतन के समय इस क्षेत्र पर आधिपत्य स्थापित किया, जिसने आगे चलकर मराठा साम्राज्य की उत्पत्ति का मार्ग प्रशस्त किया।
- शिवाजी को 6 जून, 1674 को रायगढ़ में मराठों के राजा के रूप में ताज पहनाया गया। इन्होंने छत्रपति, शाककार्ता, क्षत्रिय कुलवंत और हैंदव धर्मोधारक की उपाधि धारण की थी।
- छत्रपति शिवाजी का मुगलों के साथ भी संघर्ष हुआ और इस क्रम में कई युद्ध भी हुए, जिनमें से प्रमुख हैं- सूरत का युद्ध (1664), पुरंदर का युद्ध (1665), सिंहगढ़ का युद्ध (1670), कल्याण का युद्ध (1682-83) एवं संगमनेर का युद्ध (1679)।
- शिवाजी का 3 अप्रैल, 1680 को रायगढ़ में निधन हो गया और रायगढ़ किले में उनका अंतिम संस्कार किया गया।

छत्रपति शिवाजी के प्रशासनिक व्यवस्था

- शिवाजी दक्कन शैली के आधार पर अपने राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ किया। इनका अधिकांश प्रशासनिक सुधार अहमदनगर में मलिक अंबर (Malik Amber) के सुधारों से प्रेरित थे।
- राज्य का सर्वोच्च प्रमुख राजा होता था जिसे 'अष्टप्रधान' के नाम से जाना जाने वाले आठ मंत्रियों के एक समूह द्वारा शासन कार्य में सहायता प्रदान की जाती थी।
- पेशवा, जिसे मुख्य प्रधान के रूप में भी जाना जाता है, मूल रूप से राजा शिवाजी की सलाहकार परिषद का नेतृत्व करता था।
- शिवाजी का राजस्व प्रणाली मलिक अंबर की काठी प्रणाली (Kathi System) से प्रेरित थी, जिसमें भूमि के प्रत्येक टुकड़े को रॉड या काठी द्वारा मापा जाता था।
- उन्होंने जागीरदारी प्रणाली को समाप्त करके रैयतवाड़ी प्रणाली को अपनाया तथा वंशानुगत राजस्व अधिकारियों की स्थिति में परिवर्तन किया, जिन्हें देशमुख, देशपांडे, पाटिल एवं कुलकर्णी के नाम से जाना जाता था।
- चौथ और सरदेशमुखी आय के अन्य स्रोत थे। चौथ कुल राजस्व का 1/4 भाग था जिसे गैर-मराठा क्षेत्रों से मराठा आक्रमण से बचने के बदले में वसूला जाता था। यह आय का 10 प्रतिशत होता था जो अतिरिक्त कर के रूप में होता था।
- शिवाजी ने एक अनुशासित और कुशल सेना का गठन किया। मराठा सेना में इन्फैंट्री सैनिक, घुड़सवार, नौसेना आदि शामिल थीं।
- सामान्य सैनिकों को नकद में भुगतान किया जाता था, लेकिन प्रमुख और सैन्य कमांडर को जागीर अनुदान (सरंजम या मोकासा) के माध्यम से भुगतान किया जाता था।

आसियान-भारत माल व्यापार समझौता

सुर्ख़ियों में क्यों?

- आसियान-भारत माल व्यापार समझौते (एआईटीआईजीए) की समीक्षा के लिए एआईटीआईजीए संयुक्त समिति की तीसरी बैठक 16-19 फरवरी 2024 तक वाणिज्य भवन, नई दिल्ली में भारत द्वारा आयोजित की गई। संयुक्त समिति की पहली दो बैठकें मई और अगस्त 2023 में आयोजित हुई थी।
- इस बैठक में आसियान देशों के प्रतिनिधि अर्थात

GS Foundation Batch UPSC & BPSC, Starting from 23rd February (English & Hindi Medium)

ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओ पीडीआर, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम ने भाग लिया था।

संबंधित प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि आसियान-भारत माल व्यापार समझौते (एआईटीआईजीए) पर 2009 में हस्ताक्षर किए गए थे। सितंबर 2022 में, दोनों पक्षों ने समझौते को और अधिक व्यापार सुविधाजनक तथा पारस्परिक रूप से लाभप्रद बनाने के उद्देश्य से एआईटीआईजीए संयुक्त समिति को इसकी समीक्षा करने का काम सौंपा।
- समझौते से संबंधित विभिन्न नीतिगत क्षेत्रों पर बातचीत करने के लिए एआईटीआईजीए संयुक्त समिति के अंतर्गत कुल आठ उप-समितियों का गठन किया गया है।
- 2022-23 में भारत-आसियान व्यापार बढ़कर 131.58 अरब (बिलियन) अमेरिकी डॉलर हो गया है। एआईटीआईजीए की समीक्षा से भारत और आसियान के बीच संतुलित और टिकाऊ तरीके से व्यापार के विस्तार में मदद मिलेगी। दोनों पक्षों का लक्ष्य 2025 में समीक्षा समाप्त करना है।
- ध्यान रहे, आसियान (एएसईएएन)-भारत माल व्यापार समझौते (एआईटीआईजीए) संयुक्त समिति की चौथी बैठक मई 2024 में मलेशिया के कुआलालंपुर में आयोजित करने की योजना है।

आसियान (ASEAN) के बारे में

- आसियान (ASEAN) का पूरा नाम Association of Southeast Asian Nations है। यह दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों का एक क्षेत्रीय संगठन है जिसे एशिया-प्रशांत के उपनिवेशी राष्ट्रों के बढ़ते तनाव के बीच राजनीतिक और सामाजिक स्थिरता को बढ़ावा देने के लिये स्थापित किया गया था।
- इस संगठन का मुख्य उद्देश्य दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों के बीच सांस्कृतिक, सुरक्षा, राजनीति, अर्थव्यवस्था और आपसी क्षेत्रीय सहयोग को सुदृढ़ बनाना है।
- आसियान का आदर्श वाक्य 'वन विजन, वन आइडेंटिटी, वन कम्युनिटी' है।
- इसकी स्थापना 8 अगस्त 1967 को थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में की गई थी | इसका सचिवालय इंडोनेशिया के राजधानी जकार्ता में है।
- इस संगठन के संस्थापक सदस्य थाईलैंड के अलावा इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलिपींस, सिंगापुर है| लेकिन वर्तमान में इसमें 10 सदस्य देश (इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, ब्रुनेई, वियतनाम, लाओस, म्यांमार, कंबोडिया) शामिल हैं|

भारत-आसियान संबंध

- आसियान के साथ भारत के संबंध उसकी विदेश नीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। यह संबंध एक्ट ईस्ट पॉलिसी (Act East Policy) की नींव के रूप में कार्य करता है।
- भारत और आसियान ने 25 साल की डायलॉग पार्टनरशिप, 5 साल की स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप और 15 साल की समिट लेवल की बातचीत आसियान के साथ शेयर की है।
- आसियान भारत का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। आसियान के साथ भारत का व्यापार भारत के कुल व्यापार का 10.6% है। आसियान को भारत का निर्यात कुल निर्यात का 11.28% है।

  भारत और आसियान देशों के निजी क्षेत्र के प्रमुख उद्यमियों को एक मंच पर लाने के लिये वर्ष 2003 में आसियान-भारत व्यापार परिषद (ASEAN India-Business Council-AIBC) की स्थापना की गई थी।
- आसियान और भारत के बीच राजनीतिक सुरक्षा और आर्थिक मुद्दों पर चर्चा के लिये वार्षिक ट्रैक 1.5 कार्यक्रम को दिल्ली संवाद (Delhi Dialogue) कहा जाता है|

GSLV-F14/INSAT-3DS मिशन

सुर्ख़ियों में क्यों?

- 17 फरवरी, 2024 को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने जीएसएलवी-एफ14 प्रक्षेपण यान द्वारा उपग्रह इन्सैट-3डीएस (INSAT-3DS) को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया|

संबंधित प्रमुख बिंदु

- इन्सैट- 3डीएस वर्तमान में संचालित INSAT-3D तथा INSAT-3DR इन-ऑर्बिट उपग्रहों के साथ

GS Foundation Batch UPSC & BPSC, Starting from 23rd February (English & Hindi Medium)

देश की मौसम संबंधी (मौसम, जलवायु और महासागर संबंधी) सेवाओं को बढ़ाएगा। INSAT 3DR का प्रमोचन वर्ष 2016 में INSAT-3D के अनुवर्ती मिशन के रूप में किया गया था जिसका प्रमोचन वर्ष 2013 में किया गया था।

- नए लॉन्च किए गए इन्सैट-3डीएस उपग्रह का उद्देश्य पृथ्वी की सतह, वायुमंडल, महासागरों और पर्यावरण की निगरानी को बढ़ाना, डेटा संग्रह और प्रसार और उपग्रह-सहायता प्राप्त खोज और बचाव सेवाओं में क्षमताओं को बढ़ाना है।
- यह पहल भारत के मौसम, जलवायु और महासागर से संबंधित टिप्पणियों और सेवाओं को बढ़ावा देगी, ज्ञान का विस्तार करेगी और भविष्य में बेहतर आपदा शमन और तैयारियों को और अधिक बढ़ावा देगी।
- इस उपग्रह का वजन 2,275 किलोग्राम है|
- INSAT-3DS को संवर्धित मौसम विज्ञान प्रेक्षणों, मौसम के पूर्वानुमान में सहायता और आपदा चेतावनी क्षमताओं में सुधार करने के लिये डिज़ाइन किया गया है।
- यह पूर्ण रूप से पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES) द्वारा वित्तपोषित है तथा भूस्थिर कक्षा से तीसरी पीढ़ी के मौसम विज्ञान उपग्रह का एक अनुवर्ती मिशन है।
- INSAT-3DS में चार पेलोड/नीतभार शामिल हैं-
- इमेजर पेलोड : INSAT-3DS में एक मल्टी-स्पेक्ट्रल इमेजर है जो छह तरंग दैर्ध्य बैंड में पृथ्वी का प्रतिबिंब उत्पन्न करने में सक्षम है।
- साउंडर पेलोड: इसमें 19-चैनल साउंडर पेलोड है जो तापमान और आर्द्रता जैसे वायुमंडल के विभिन्न मौसम संबंधी मापदंडों की ऊर्ध्वाधर प्रोफाइल प्रदान करता है।
- डेटा प्रसारण प्रेषानुकर (Data Relay Transponder - DRT) : DRT के माध्यम से INSAT-3DS स्वचालित मौसम स्टेशनों और डेटा संग्रह प्लेटफार्मों से वैश्विक मौसम विज्ञान, जल विज्ञान एवं समुद्र संबंधी डेटा प्राप्त करता है तथा इसका प्रसारण पुनः उपयोगकर्त्ता टर्मिनलों पर करता है।
- उपग्रह साधित खोज एवं बचाव प्रेषानुकर (Satellite-Aided Search and Rescue Transponder : SA&SR के माध्यम से INSAT-3DS अल्ट्रा हाई फ्रीक्वेंसी बैंड को कवर करते हुए वैश्विक खोज और बचाव सेवाओं के लिये संकट संकेतों को प्रसारित करता है।

'वायु शक्ति-24' अभ्यास

सुर्ख़ियों में क्यों?

- 17 फरवरी, 2024 को राजस्थान के जैसलमेर में 'वायु शक्ति-24' अभ्यास का आयोजन किया गया|
- इस अभ्यास के दौरान भारतीय वायु सेना ने अपनी मारक क्षमता के रोमांचक और दुर्जेय प्रदर्शन के माध्यम से अपनी आक्रामक क्षमताओं का प्रदर्शन किया।
- इस वर्ष के अभ्यास का विषय, 'आकाश से बिजली का प्रहार' को ध्यान में रखते हुए, 120 से अधिक विमानों ने दिन के साथ-साथ रात में भी भारतीय वायु सेना की आक्रामक क्षमताओं का प्रदर्शन किया।
- अभ्यास के दौरान राफेल, SU-30 MKI, मिग-29, मिराज-2000, तेजस और हॉक सहित भारतीय वायु सेना के लड़ाकू विमानों ने प्रदर्शन किया|
- इसके आलावा एमआई-17 हेलीकॉप्टरों द्वारा शामिल गरुड़ ने आतंकवाद रोधी/उग्रवाद रोधी अभियानों में अपनी शक्ति का प्रदर्शन करते हुए एक 'अर्बन इंटर्वेंशन' चलाया, जिसका उद्देश्य शत्रु तत्वों के ठिकानों को साफ़ करना था।
- रात के कार्यक्रमों में पहली बार स्वदेशी लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर 'प्रचंड' की क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया|

GS Foundation Batch UPSC & BPSC, Starting from 23rd February (English & Hindi Medium)